Nai Dunia (Indore), 14th December 2022, Page – 05

सौर ऊर्जा का उपयोग कर बचा रहे बिजली

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दिवस ● आइआइटी में लगाया गया 422 किलो वाट का प्लांट

- एसजीएसआइटीएस में हर महीने एक लाख रुपये की बिजली बचाई जा रही है
- आइआइटी, आइआइएम सहित कई संस्थान सोलर ऊर्जा का उपयोग कर रहे

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। पर्यावरण की बेहतरी के लिए शहर के संस्थान बेहतर कार्य कर रहे हैं। चार से पांच वर्ष पहले तक जहां 10 प्रतिशत सोलर ऊर्जा का भी उपयोग नहीं हो पाता था। अब शहर के 30 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों में बिजली बचाने के लिए सोलर ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है।

नगर निगम इंदौर ने कचरे के निष्पादन के लिए लगाए गए प्लांट को सोलर ऊर्जा से संचालित करना शुरू कर दिया है। इससे हर महीने 12 से 13 लाख रुपये की बिजली बच रही है। एसजीएसआइटीएस के होस्टल और कक्षाओं को सोलर पैनल से जोड़ दिया गया है। इससे हर महीने एक से दो लाख रुपये की बचत हो रही है। आइआइटी और आइआइएम इंदौर में होस्टल, मैस, स्ट्रीट लाइट और कई जगहों पर सोलर ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है। खजराना मंदिर में भी 14 हजार यूनिट बिजली हर महीने तैयार की जा रही है। इससे करीब 90 हजार रुपये की बिजली की बचत हो रही है। आइआइटी इंदौर में 422 किलो वाट का सोलर प्लांट लगाया गया है। इससे हर वर्ष 500 टन कार्बन को कम करने में मदद मिल रही है। संस्थान को हाल ही में सोलर ऊर्जा से शर्करा बनाने की प्रक्रिया में भी सफलता मिल गई है।

सरकारी दफ्तरों को बता रहे हैं कैसे बचाएं बिजली

एसजीएसआइटीएस के निदेशक व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रो. राकेश सक्सेना का कहना है कि हम इलेक्ट्रिकल उपकरणों में लगने वाली बिजली को कम करने पर जोर दे रहे हैं। शहर के अस्पतालों, सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों में भी निरीक्षण कर बता रहे हैं कि घर के अंदर की वायरिंग को सुरक्षित रखने और बिजली के नुकसान को कैसे कम किया जा सकता है। संस्थान में भी 50 प्रतिशत से ज्यादा बिजली सोलर प्लांट से तैयार की जा रही है।

बिजली की बचत के तरीके बता रहे : दुनियाभर के 40 से ज्यादा देशों में कार्बन कम करने में योगदान देने के मामले में भी शहर की महत्वपूर्ण भूमिका है। शहर की ईकेआइ एनर्जी कंपनी इंदौर नगर निगम के साथ ही कई कंपनियों को बता रही है कि वह बिजली का उपयोग कैसे कम कर सकते हैं। इसके लिए सोलर और अन्य इंतजामों पर कार्य किया जा रहा है। ईकेआइ एनर्जी के निदेशक मनीष डबकारा का कहना है कि इस क्षेत्र में जो भी कंपनी या संस्थान अपने यहां बिजली बचाना चाहते हैं उन्हें हम पूरी मदद कर रहे हैं। चूंकि कार्बन क्रेडिट को बेचा जा सकता है इसलिए सभी इस ओर अब ध्यान देने लगे हैं। शहर के कई संस्थानों में हम कार्य कर रहे हैं।